>

Title: Need to renovate dilapidated buildings and antique monuments in Fatehpur Sikri and Tajganj.

श्रीमती सीमा उपाध्याय (फतेहपुर सीकरी): मेरे संसदीय क्षेत्र में स्थित फतेहपुर सीकारी और ताजगंज की सदियों पुरानी इमारतों की स्थिति आज अत्यंत जर्जर अवस्था में है। इन इमारतों में पीढ़ी-दर-पीढ़ी से जो लोग रहते आये हैं, वे डरे-सहमे हुए हैं, क्योंकि वे इनकी मरम्मत खुद नहीं करा सकते। कानूनन इन स्मारकों में कोई किसी प्रकार की मरम्मत और निर्माण कार्य नहीं करा सकता। जो लोग इन स्मारकों में रह रहे हैं उनमें से ज्यादातर की आर्थिक स्थिति भी अच्छी नहीं है कि वे कहीं अन्यत्र जा कर मकान बनवाकर रह सकें, वे मजबूर हैं इन जर्जर प्राचीन इमारतों में रहने के लिए। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग इन भवनों की देखरेख करता है और न ही खुद करवा रहा है। लोग असमंजस में हैं कि इन भवनों में वे कैसे अपनी जान जोखिम में डाल कर रहें।

संस्कृति मंत्रालय ऐसे जर्जर भवनों का जीर्णोद्धार नहीं करवा रहा है और न ही लोगों को इमारतों की मरम्मत करवाने की अनुमति दे रहा है। ऐसे प्राचीन इमारतों का जीर्णोद्धार करके पर्यटकों को आकर्Âि◌ात किया जा सकता है। ऐसा मंत्रालय ने जोधपुर फोर्ट का जीर्णोद्धार करके किया भी है। इससे न सिर्फ पर्यटन उद्योग बढ़ेगा बल्कि स्थानीय लोगों को रोजगार का सुअवसर मिलेगा।

मेरी मांग है कि फतेहपुर सीकरी और ताजगंज की प्राचीन जर्जर इमारतों में मजबूरन अपनी जान जोखिम में डाल कर रह रहे लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए जर्जर प्राचीन भवनों की मरम्मत की अनुमति दी जाए या खुद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग अविलंब प्राचीन भवनों की मरम्मत करवाए।